गुजरात चैम्बर आंफ कोमर्स एण्ड इन्डस्टो की बिजनेश वुमन विंग, अहमदाबाद द्वारा आयोजित वाईब्रेन्ट गुजरात बिजनेस वुमन नेशनल कोन्क्लेव के अंतर्गत ''स्वयम् सिद्ध एन्टरप्रिनियोरशीप अवोर्ड २०१५–१६'' समारोह में दिनांक २० दिसंबर, २०१५ को गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ० पी० कोहली जी का संबोधन।

- गुजरात चैम्बर आफ कोमर्स एण्ड इन्टस्टो वाईब्रेन्ट गुजरात बिजनेस वुमन नेशनल कान्क्लेव अतर्गत '' स्वयम् सिद्ध एन्टरप्रिनियोरशीप अवोर्ड – २०१५–१६'' समारोह मे आप सभी के बीच उपस्थित रहते हुए अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।
- आज के इस महत्वपूर्ण समारोह में जिन–जिन व्यावसायी महिलाओ को विविध पुरस्कारो से सम्मानित किया गया, उन सभी विशिष्ट व्यावसायी प्रतिभाओं को मैं बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाए देता हू।
- बरसो से दो प्रथाएं चलती थी, एक तो नारी मतबल सिर्फ घरका काम, चूल्हा, चक्की और बच्चा। उनको पढ+ाने की जरूरत क्या है ? उन्हे तो घर मे ही रहना है इसलिए पढ+ाया नही जाता था और दूसरा दौर यह चला की बेटी को जन्म लेने का अधिकार नहीं है। समय के साथ सामाजिक जागृति आई और उन्हे जन्म लेना दिया गया और पढ+ाया भी गया। जिन महिलाओने पढ+ाई की है, उनको देखो आसमान तक भी पहुच गई है। गुजरात की ही बात करे तो गुजरात की पहेली महिला मुख्यमत्री श्रीमती आनदीबहन पटेल जिनके नेतृत्व मे गतिशील गुजरात विकास की नई उचाईया छू ने के लिए प्रतिबद्ध ह। अनगिनत महिलाएं सरकार के और निजी क्षेत्रो के कई उचे पद पर है, पायलट भी है, सेना मे भी है। महिलाए क्या नही कर सकती है।
- मुझे खुशी इस बात की है कि हमारे देश में एक अभियान चल रहा है वह ''बेटी बचाओ–बेटी पढ+ाओ'' है, जो समाज के लिए प्रेरणादाई है। इन सभी महिलाओ की व्यवसाय, उद्योग, कला और अन्य क्षेत्रो मे प्रगति को देखकर एक बात सिद्ध हो जाती है की महिलाएं पुरूषो के समकक्ष रहकर अपने बल बुते पर प्रगतिकी उड+ान भर सकती है। इन सभी बातो से यह फलित होता है कि स्त्री एक शक्ति है और वह जब ठान ले तो कुछ भी कर सकती है। बिज+नेस विमन विग द्वारा हर वर्ष बिज+नेस वुमन कोक्लेवका आयोजन किया जाता है जिसमे नारी शक्ति को गौरव प्रदान करने वाले कार्यक्रम होते है। गुजरात की सभी महिलाए जो अपने हुनर के अनुसार व्यवसाय करती हैं, चाहे वो गाव खेड+ा मे हो या शहर मे हस्तकला उद्योग हो या छोटी–मोटी उद्योग उन सबको इस कोन्क्लेव में शामिल होने का अवसर मिलता है और यह एक तरह से महिला को प्रोत्साहित करता है। हर नारी को अपना कौशल्य, अपना हूनर दिखाने के अवसर मिलता है और नयी तकनीक जानने का अवसर मिलता है और वे दुनिया मे किस प्रकार प्रगति हो रही है, उससे अवगत हो पातो हैं।
- खुशी की बात तो यह है कि किसी भी भेदभाव न रखकर जो भी महिलाए अपने पैरो पर खडे+ होकर उड+ान भरना चाहती है उन्हे अवसर दिया जाता है। मुझे बताया गया है कि गुजरात की महिलाएं नहीं बल्कि पूरे राष्ट की महिलाए इस कोन्क्लेव मे हिस्सा ले रही है। इसलिए तो ''यह नेशनल एन्क्लेव है और इस बार इडियन मर्चट चैम्बर, मुंबई महिला विग ने'' सहयोग किया है।
- व्यावसायी महिला विग स्थापना की रजत जयती मना रही है। इस अवसर पर आज का यह कार्यक्रम महत्वपूर्ण है।
- इस बिज+नेस विमेन नेशनल कान्क्लेव का एक अहम हिस्सा है नारी शक्ति की सराहना करना उनको प्रोत्साहित करना और इसी नेक जज्+बे को लक्ष्य मे रखके बिज+नेस विमेन विग उन महिलाओ को सम्मानित किया है, जिन्होने अपने कला के ज+रिये अपनी एक पहचान बनाई है।
- मै बिज+नेस विमेन विग के इस प्रोत्साहक कार्य के लिए उनको अभिवादन करता हू, क्यो की जिन महिलाओ ने अपने कार्यो में सफलता हासिल करके स्वयम् को सिद्ध किया है, उनकी सराहना की जाती है, उनका आत्मविश्वास बढ+ाया जाता है, उनको सम्मानित किया जाता है। यह कोई छोटी बात नही है बल्कि उन्हे जो ''स्वयम् सिद्ध एवोर्ड'' मिलता है, उससे उनका आत्मविश्वास बढ+ता है। उन्हे और सिद्धि पाने की तमन्ना होती है और उची उड+ान के लिए पंख मिलते है। मुझे खुशी है कि अब तक यह अवोर्ड गुजरात राज्य की महिलाओं तक सिमित थे, किन्तु इस रजत जयति वर्ष से राष्टोय स्तर भी एवोर्ड प्रदान किये जाएगे, यह प्रशंसनीय है एव स्वागत योग्य है।
- मुझे इस बात की खुशी है कि आज मुझे बिज+नेस विमेन विग के रजत जयंति वर्ष के नेशनल कोंक्लेव में उन स्वयम् सिद्ध महिलाओ के सम्मान करने का अवसर मिला है। मै उन सभी महिलाए जिन्होने उत्पादन, सर्विस क्षेत्र, कला एवम् ग्राम्य क्षेत्र, युवा प्रतिभा और लाइफ टाइम एचीवमेट एवोर्ड हांसिल किये ह, उन सब का अभिनदन करता हू। वे अपने व्यावसायी क्षेत्रों मे और प्रगति करे तथा अनेक उपलब्धिया हासिल करे, एसी मै शुभकामनाएं देता हू।

धन्यवाद। जयहिन्द।